खबर संक्षेप

38 शीशी नशीली कफ सिरप के साथ आरोपी धराया

शहडोल। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोलने वाले सफेदपोश अपराधियों और मादक पदार्थों के अवैध तस्करों के खिलाफ शहडोल पुलिस ने अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कड़े तेवरों और सख्त निर्देश के बाद एक्शन में आई देवलोंद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जाल बिछाकर नशीली सिरप बेचने की फिराक में घूम रहे एक शातिर आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उसके पास से मौत का सामान जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी मोनू खान को हिरासत में लिया। जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से भारी मात्रा में 38 नग अवैध नशीली कफ सिरप (ऑनरेक्स) बरामद हुई, जिसे वह अवैध रूप से खपाने की तैयारी में था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी मोनू खान के खिलाफ थाना देवलोंद में एनडीपीएस अधिनियम और मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल अधिनियम की संगीन धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है। आवश्यक वैधानिक कागजी कार्रवाई के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

भ्रष्टाचार के संरक्षकों पर कब होगी कार्रवाई?

सार्थक हुआ निरर्थकः जयसिंह नगर में आदिवासी जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़

जयसिंहनगर।

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर जयसिंहनगर क्षेत्र से सामने आया एक मामला कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। रीवा लोकायुक्त द्वारा 3 जुलाई 2026 को की गई कार्रवाई के बाद यह प्रकरण केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था, तकनीकी प्रणाली और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लग गया है। ऊफरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एक संविदा मेडिकल ऑफिसर को लोकायुक्त रीवा की टीम ने 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर चिकित्सक के रूप में नियुक्ति प्राप्त की गई थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी पर राजस्थान के भरतपुर निवासी एक वास्तविक चिकित्सक के शैक्षणिक अभिलेखों के दुरुपयोग का आरोप है। साथ ही, विभिन्न जिलों में एक से अधिक स्थानों पर नियुक्ति लेकर वेतन प्राप्त करने संबंधी तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

यह मामला सामने आने के बाद विभाग की डिजिटल उपस्थिति एवं मॉनिटरिंग प्रणाली 'सार्थक' ऐप की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। यदि किसी व्यक्ति की उपस्थिति और सेवा संबंधी अभिलेख वर्षों तक ऑनलाइन दर्ज होते रहे, तो यह जानना आवश्यक है कि जिला स्तर पर गठित मॉनिटरिंग इकाई और संबंधित अधिकारियों द्वारा समय-समय पर सत्यापन क्यों नहीं किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब विभागीय प्रक्रियाएं आधार-आधारित डिजिटल सत्यापन और ऑनलाइन मॉनिटरिंग से संचालित होने का दावा करती हैं, तब ऐसी परिस्थितियों में तकनीकी एवं प्रशासनिक स्तर पर हुई संभावित चूक की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है।

की जा रही जांच की मांग

कथित फर्जी नियुक्ति के दौरान विभागीय सत्यापन प्रक्रिया किस स्तर पर विफल हुई? संबंधित कर्मचारी की उपस्थिति एवं सेवा अभिलेखों की नियमित मॉनिटरिंग किस अधिकारी की जिम्मेदारी थी? वेतन स्वीकृति से पूर्व आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किन अधिकारियों द्वारा किया गया? क्या जिला स्तरीय मॉनिटरिंग तंत्र एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन किया गया? यदि लापरवाही या मिलीभगत पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी?

उल्लेखनीय है कि 16 जुलाई 2026 को शहडोल प्रवास के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य एवं उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अभी तक इस प्रकरण में किसी व्यापक प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक नहीं हो सकी है, जिससे क्षेत्रीय जनता में असंतोष व्याप्त है। जयसिंहनगर सहित आसपास के आदिवासी अंचलों के नागरिकों का कहना है कि यह मामला केवल एक कथित फर्जी चिकित्सक का नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र की जवाबदेही का है, जिसकी निगरानी में स्वास्थ्य सेवाएं संचालित होती हैं। उनका मानना है कि यदि समय रहते सत्यापन और निगरानी की प्रक्रिया प्रभावी होती, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की जांच जिला स्तर से बाहर की एक निष्पक्ष एवं सक्षम टीम से कराई जाए, ताकि तथ्य सामने आ सकें और यदि किसी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जैतपुर में सरेआम तलवार लहराता रहा सिरफिरा

वर्दी के सामने युवक चमकाता रहा धारदार हथियार

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली झींक बिजुरी चौकी के सेमरिया गांव से कानून व्यवस्था को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव की गलियों में एक सिरफिरा युवक सरेआम हाथ में चमचमाती हुई नंगी तलवार लेकर घूमता रहा और पूरे इलाके में दहशत फैलाता रहा। हद तो तब हो गई जब सुरक्षा का दंभ भरने वाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उस खूंखार हथियारबंद युवक के आगे बेबस और लाचार नजर आई। युवक पुलिसकर्मियों के सामने ही बेखौफ होकर तलवार लहराता रहा और खाकी वर्दीधारी तमाशबीन बनकर उसे दूर से ज्ञान देते रहे। अब इस पूरी शर्मनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पुलिसिया इकबाल पर गंभीर राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी कि गांव में एक युवक नंगी तलवार लेकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की नीयत से घूम रहा है। सूचना मिलते ही झींक बिजुरी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक रामपाल वर्मा भारी-भरकम पुलिस बल के साथ मौके पर तो पहुंचे, लेकिन दबंगई दिखाने वाली पुलिस का हौसला एक सनसनीखेज हथियार देखकर पस्त हो गया। पुलिस ने आरोपी को दबोचने या उस पर सख्ती दिखाने के बजाय खुद को सुरक्षित दूरी पर रखा। हद यह रही कि वह सिरफिरा कानून के रखवालों को ही सरेआम आंखें दिखाता रहा, धमकाता रहा और अपनी धुन में तलवार लहराते हुए आगे निकल गया, लेकिन पुलिसिया तंत्र मूकदर्शक बना रहा। चौकी प्रभारी रामपाल वर्मा ने पूरे मामले पर पर्दा डालते हुए दलील दी है कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने संयम बरता ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। पुलिस का कहना है कि यह युवक पहले भी ऐसी जानलेवा हरकतें कर चुका है और उसके पिता को इलाज कराने की सलाह दी गई थी। यहां सबसे बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल यह उठता है कि क्या किसी की मानसिक स्थिति ठीक न होने पर उसे सरेआम तलवार लेकर ग्रामीणों की जान जोखिम में डालने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर उस सिरफिरे ने किसी मासूम पर वार कर दिया होता, तो क्या पुलिस अपनी इस लाचारी और संयम से उस जान की भरपाई कर पाती? फिलहाल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो क्षेत्र में भारी चर्चा और आक्रोश का विषय बना हुआ है। जनता पूछ रही है कि आखिर कब तक पुलिस अपनी नाकामी छुपाने के लिए ऐसे बहानों का सहारा लेगी? पुलिस अब मामले में वैधानिक कार्रवाई और युवक की निगरानी करने का दावा कर रही है, लेकिन इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि अपराधियों और हुड़दंगियों के दिलों से कानून का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।

राबता मदारिस इस्लामिया अरबिया की प्रदेश स्तरीय बैठक में शहडोल का प्रतिनिधित्व

मदरसों को कानूनी मजबूती देने और नई पीढ़ी के बेहतर भविष्य को लेकर तैयार हुआ खास रोडमैप

शहडोल। शिक्षा के स्तर को सुधारने और कौम की नई नस्लों को बेहतर संस्कार देने की दिशा में शहडोल के लिए एक बेहद सकारात्मक खबर है। भोपाल की ऐतिहासिक जामिया इस्लामिया अरबिया (मस्जिद तर्जुमा वाली) में बीते 16 जुलाई को राबता मदारिस इस्लामिया अरबिया मध्य प्रदेश की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस राज्य स्तरीय बैठक में शहडोल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जमीयत उलेमा-ए-हिंद (शहर शहडोल) के नवनियुक्त अध्यक्ष जनाब मोहम्मद जकरिया साहब ने विशेष रूप से शिरकत की और क्षेत्र के विकास के लिए कई अहम बिंदु रखे।

भोपाल से सफल वापसी के बाद, अध्यक्ष जनाब मोहम्मद जकरिया साहब की ओर से सूफियान खान ने स्थानीय आवाम और मीडिया को

ऐतिहासिक बैठक से लौटे जमीयत अध्यक्ष जनाब मोहम्मद जकरिया, जल्द होगी जिले में बड़ी बैठक

जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस प्रांतीय बैठक में शहडोल क्षेत्र के मदरसों और शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने के लिए कई दूरगामी और ऐतिहासिक सुझाव रखे गए हैं। इन सुझावों के अमल में आने से आने वाले समय में जिले के सभी धार्मिक व आधुनिक शिक्षण संस्थानों को कानूनी, प्रशासनिक और संगठनात्मक रूप से बहुत बड़ी मजबूती मिलेगी।

सूफियान खान के मुताबिक, अध्यक्ष जनाब मोहम्मद जकरिया साहब ने इस बात पर विशेष जोर दिया है कि आज के दौर में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी आने वाली पीढ़ियों (नई नस्लों) को भटकाव से बचाना है। उन्हें सही दिशा दिखाना, उच्च संस्कार देना और दीनी तालीम की हिफाजत करना समय की मांग है। इसके लिए हमारे शैक्षणिक व धार्मिक संस्थानों का सुरक्षित और सुव्यवस्थित होना बेहद जरूरी है।

जनाब मोहम्मद जकरिया साहब के सदर (अध्यक्ष) बनने के बाद अब बहुत जल्द शहडोल में पहली बड़ी और महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस आगामी बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित निर्णय लिए जाएंगे। शहडोल शहर में जमीयत के ढांचे को धार देने के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जिसमें ऊर्जावान चेहरों को शामिल करने की घोषणा हो सकती है। इस महा-बैठक में जमीयत उलेमा के जिला पदाधिकारियों के अलावा शहर के तमाम सम्मानित उलेमा, इमाम, हाफिज और मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध दानिशवरों (जिम्मेदार नागरिक) को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। सूफियान खान ने शहडोल के सभी शिक्षण संस्थानों, मदरसों के संचालकों और कौम के जिम्मेदार लोगों से अपील की है कि वे आने वाली नस्लों के सुरक्षित भविष्य के लिए एकजुट हों और इस आगामी बैठक को ऐतिहासिक रूप से कामयाब बनाएं। बैठक की अंतिम तारीख और स्थान की घोषणा जल्द ही पृथक रूप से की जाएगी।

कोतवाली पुलिस ने सब्जी मंडी में नुक्कड़ नाटक के जरिए युवाओं को किया जागरूक

शहडोल। जिले को नशे के अभिशाप से मुक्त करने और युवाओं को एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा एक बेहद सराहनीय और व्यापक कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में पूरे जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के साधनों के जरिए जन-जन तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने की एक बेहतरीन मुहिम शुरू की गई। अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीमों ने जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बस स्टैंड, प्रमुख बाजारों, चौराहों और भारी भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर दस्तक दी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने शहर में चलने वाले सैकड़ों ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर नशामुक्ति से संबंधित बेहद आकर्षक और संदेशयुक्त पोस्टर चस्पा किए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि इन वाहनों में प्रतिदिन सफर करने वाले हजारों यात्रियों और राहगीरों तक नशे के खिलाफ यह प्रभावी संदेश आसानी से पहुंच सके। पोस्टर लगाने के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों, परिचालकों, स्थानीय व्यापारियों और आम यात्रियों से सीधा संवाद स्थापित किया। पुलिस ने उन्हें समझाया कि नशीले पदार्थों का सेवन किस तरह न सिर्फ स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी पूरे परिवार को गर्त में

धकेल देता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों और वाहन चालकों को हाथ आगे बढ़ाकर नशे से दूरी है जरूरी का अटूट संकल्प दिलाया गया और एक नशामुक्त, स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई गई। इस महा-अभियान के तहत शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली व्यस्त सब्जी मंडी में आमजन को जागरूक करने के लिए एक शानदार नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने नशे के कारण उजड़ते परिवारों के सजीव दृश्य दिखाकर लोगों को भावुक कर दिया और नशे से दूर रहने की सीख दी। इस दौरान कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी अपने पूरे पुलिस स्टाफ के साथ मुस्तैद रहे और उन्होंने खुद दुकानदारों व युवाओं को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। शहडोल पुलिस की इस सकारात्मक और रचनात्मक कार्यशैली की स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है। जनता का मानना है कि ऐसे जमीनी अभियानों से निश्चित ही जिले के युवाओं में एक नई चेतना आएगी।

पपौंध थाना का कप्तान ने किया औचक निरीक्षण

शहडोल। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पपौंध का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर मे हवालात, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, सीसीटीवी, संधारित विभिन्न रजिस्टर, थाने पर रखे बलवा ड्रिल सामग्री को भी चेक किया गया एवं जरायम व व्हीसीएनवी रजिस्टर को चेक कर टीप अंकित की गई। थाना प्रभारी एवं बीट प्रभारियों को माईक्रोबीट का संचालन निगरानी एवं गुंडा बदमाशों को नियमित रूप से चेक करने की हिदायत दी गई। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरुकता अभियान की समीक्षा कर प्रभावी बनाने हेतु समुचित निर्देश दिये गए। साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उन्हें अपनी बात अथवा समस्या रखने का अवसर प्रदान किया गया। ड्यूटी पर उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी से चर्चा कर थाना प्रभारियों को बेहतर व सुदृढ़ पुलिसिंग तथा आमजन हेतु पुलिस की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

कप्तान ने 50 से अधिक पुलिस कर्मियों के किये तबादले

शहडोल। जिले की कमान संभालते ही नवागत पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। शहडोल पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के साथ-साथ जिले की कानून-व्यवस्था को नया हौसला देने के उद्देश्य से एसपी ने पुलिस महकमे में एक बड़ी और ऐतिहासिक प्रशासनिक सर्जरी की है। पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से जिला पुलिस बल के 50 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों के थोकबंद तबादलों की सूची जारी कर महकमे में हडक्रंप मचा दिया है। इस व्यापक फेरबदल में सबसे बड़ा असर शहर के दो प्रमुख थानो सोहागपुर और कोतवाली में देखने को मिला है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, इस प्रशासनिक बदलाव की जद में कार्यवाहक उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक आए हैं, जिनमें महिला

पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। लंबे समय से रक्षित केंद्र (पुलिस लाइन) में तैनात बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को अब फील्ड में उतारते हुए जिले के प्रमुख व संवेदनशील थानों जैसे कोतवाली, सोहागपुर, जैतपुर, बुढ़ार, अमलाई, जयसिंहनगर और ब्यौहारी में नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा, प्रशासनिक कार्यकुशलता और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए कई पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला कंट्रोल रूम में भी संबद्ध (अटैच) किया गया है।

एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने तबादला सूची जारी करने के साथ ही सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहद सख्त हिदायत भी दी है। आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि सूची में शामिल सभी शासकीय सेवक आगामी 3 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से अपने नए कर्तव्य स्थल पर पहुंचकर आमद (जॉइनिंग) दर्ज कराएं। नियत समय सीमा के भीतर लापरवाही बरतने वाले या नए पदस्थापना स्थल पर उपस्थित न होने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिले के बुद्धिजीवियों और आम जनता ने एसपी के इस दूरदर्शी कदम का स्वागत किया है। माना जा रहा है कि इस बड़ी प्रशासनिक सर्जरी के बाद थानों की कार्यप्रणाली में तेजी आएगी, अपराधियों पर नकेल कसेगी और आम नागरिकों का पुलिसिया तंत्र पर भरोसा और अधिक मजबूत होगा। इस फेरबदल के बाद अब समूचे जिले की पुलिसिंग में एक नई ऊर्जा और कसावट देखने को मिलेगी।

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

शहडोल। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस. परिहार ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा वितरण, साफ-सफाई, मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने अस्पताल प्रबंधन

एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल में पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित साफ-सफाई, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार एवं स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने के कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने एनीमिया की जांच करने, मौसमी बीमारियों को दृष्टिगत रखते हुए सभी दवाइयां उपलब्ध कराने, गर्भवती माता की विशेष जांच करने, बच्चों का टीकाकरण नियमित रूप से हो आदि स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही मरीजों से चर्चा कर जिला अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर डॉ. अलका तिवारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद ने नवीन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शहडोल। सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी राजेश मिश्रा ने ब्यौहारी सिविल अस्पताल में नवीन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई एम्बुलेंस क्षेत्र के नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर उपचार उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विधायक श्री शरद कोल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल। शांतिदेवी मेमोरियल स्कूल शहडोल में मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र, छात्राओं एवं टीचिंग फैकल्टी को किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2012 अंतर्गत बालकों को गुड टच एवं बेड टच के बारे में वीडियो प्रदर्शित की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के संदर्भ में बालकों को गुड टच एवं बेड टच, पॉक्सो एक्ट , चाइल्डलाइन, की जानाकारी प्रदान की गई । विद्यार्थियों को बताया गया कि किशोर न्यायय बालकों की देखरेख एवं सरंक्षण अधिनियम कानून है। यह कानून 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों (लडक़े और लड़कियों दोनों) पर समान रूप से लागू होता है। इसके अन्तर्गत यदि कोई बालक किसी व्यक्ति

को उसके साथ हुये गलत काम को बताता है और वह व्यक्ति उसकी सूचना, पुलिस थाने / चाइल्डलाइन या सक्षम अधिकारी को सूचना नही देता है तो वह व्यक्ति भी अपराध की श्रेणी में आता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मोबाइल से दूर रहने एवं सोशल मीडिया का उपयोग न करने की सलाह दी। जागरूकता कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव प्रशासक वन स्टॉप सेंटर, उमाशंकर गुप्ता संरक्षण अधिकारी, श्रीमती भानुप्रिया महरा सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर, श्रीमती सपना पाण्डेय काउंसलर राकेश कुशवाहा, कुंदन विश्वकर्मा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस सख्त

मानपुर। सडक सुरक्षा को पुख्ता करने और यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शनिवार को मानपुर में एक बड़ा अभियान चलाया गया। शहडोल रोड स्थित संतोष बोरवेल्स के सामने दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक चले इस सघन चेकिंग अभियान में यातायात पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। यातायात प्रभारी ज्योति शुक्ला (एडिशनल एसडीओपी) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुल 105 वाहनों के ऑनलाइन चालान काटे। इस दौरान नियमों को ताक पर रखने वाले वाहन चालकों से कुल 71,200 रुपये का शमन शुल्क वसूल कर शासकीय कोष में जमा कराया गया। कार्रवाई के तहत एक ओवरलोड वाहन पर 32,000 रुपये और एक बिना लाइसेंस के वाहन चालक पर 5,000 रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही बिना हेलमेट और अवैध सर्च लाइट लगाने वाले चालकों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए गए। इस सराहनीय और सफल अभियान में एएसआई महोबिया, एसआई टोप्पो, एएसआई मार्तंड पांडे, एएसआई पुरुषोत्तम गर्ग, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी, कल्याण सिंह, बृजेश सिंह और इंद्रपाल सिंह की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैद कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है।

डीसीएचबी फील्ड फंक्शनरीज का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। भारत सरकार के जनगणना संचालनालय के दिशा-निर्देशानुसार, आगामी डिजिटल जनगणना के सफल क्रियान्वयन एवं जिला नियोजन के सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज डिस्ट्रिक्ट सेंसस हैंडबुक 2027 के निर्माण हेतु जिले में आयोजित पांच दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। ड कलेक्टर एवं प्रधान जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का प्रभावी समन्वय अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला जनगणना अधिकारी प्रमोद कुमार सेन गुप्ता तथा जिला जनगणना नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रत्यूष श्रीवास्तव द्वारा किया गया। मास्टर ट्रेनर्स गिरीश शुक्ला एवं अजय सिंह राजावत द्वारा जिले की समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों के प्रशासनिक अमले को सुदृढ़ किया गया। फील्ड फंक्शनरीज को डीसीएचबी की संपूर्ण कार्यप्रणाली, डिजिटल डेटा संकलन की बारीकियों, अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन के व्यावहारिक उपयोग, ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों की ढांचागत सूचनाओं के एकत्रीकरण, डेटा सत्यापन, गुणवत्ता नियंत्रण, फील्ड संचालन प्रोटोकॉल तथा रीयल-टाइम रिपोर्टिंग प्रणाली पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग देकर मैदानी मोर्चे के लिए पूरी तरह तैयार किया गया।

नियमों को रौंदकर धधक रही क्रेशर की भट्टी

गहरी खाइयों में दफन हो रहे पर्यावरण के कायदे

खनिज विभाग की रहस्यमयी चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल ग्राम पंचायत रक्सा में सदगुरु क्रेशर व खदान संचालन में गाइडलाइंस की धज्जियां उड़ने का आरोप

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत रक्सा में संचालित सदगुरु क्रेशर और उससे संबद्ध पत्थर खदान इन दिनों गंभीर प्रशासनिक और पर्यावरणीय सवालों के घेरे में है। जमीनी दावों के अनुसार, संबंधित क्रेशर संचालक द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं स्वीकृत मानकों को दरकिनार कर बेतहाशा उत्खनन किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि नियमों के विपरीत जाकर जरूरत से ज्यादा गहराई तक की गई खुदाई के कारण संबंधित क्षेत्र में असुरक्षित और खतरनाक खाइयां निर्मित हो गई हैं, जो भविष्य में किसी भी बड़ी दुर्घटना को खुला आमंत्रण दे रही हैं। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि इस पूरे मामले में खनिज विभाग की भूमिका भी संदेहास्पद बनी हुई है, जो लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद मौन साधे बैठा है।

सरकारी नियमों की धज्जियां

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किसी भी पत्थर खदान या क्रेशर इकाई की स्वीकृति हेतु अत्यंत कड़े प्रावधान और शर्तें अधिरोपित की जाती हैं। इन शर्तों का मूल उद्देश्य विकास और पर्यावरण के मध्य संतुलन स्थापित करना होता है। परंतु रक्सा स्थित इस स्वीकृत पत्थर खदान के धरातलीय हालातों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाना ही यहां का नियम बन चुका है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के होर्डिंग्स लगाने और कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के अलावा मौके पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा कोई भी वास्तविक कार्य दिखाई नहीं दे रहा है।

...तो बगैर एनओसी संचालित क्रेशर

इस पूरे प्रकरण में सबसे गंभीर और चौंकाने वाला पहलू ग्राम पंचायत से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र न होने की आशंका का है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस क्रेशर का संचालन कथित तौर पर बिना किसी वैध एनओसी के ही धड़ल्ले से किया जा रहा है। नियमानुसार, किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी व्यावसायिक व औद्योगिक गतिविधियों के लिए स्थानीय स्वायत्त शासन यानी ग्राम पंचायत की लिखित सहमति अनिवार्य होती है, ताकि स्थानीय निवासियों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा की उपेक्षा न हो। ऐसे में बिना एनओसी के इतने बड़े पैमाने पर क्रेशर का संचालन होना सीधे तौर पर व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है, जिससे यह यक्ष प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर इस संचालन के पीछे किसका वरदहस्त या संरक्षण प्राप्त है?

कागजों में सिमटे पर्यावरण प्रबंधन के कड़े नियम

पर्यावरण प्रबंधन योजना के आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुसार, परियोजना प्रस्तावक के लिए शर्तों का शत-प्रतिशत पालन करना वैधानिक रूप से अनिवार्य है, जिनका धरातल पर घोर अभाव दिख रहा है। प्रथम तीन वर्षों के भीतर बैरियर जोन, गैर-खनन क्षेत्र, बफर जोन तथा एग्रोच रोड पर कम से कम तीन वर्ष पुराने और उपयुक्त प्रजातियों के न्यूनतम 1800 पौधों का रोपण किया जाना अनिवार्य है। इसमें सीसम, नीम, पीपल, बरगद, आंवला, आम, और करंज जैसी प्रजातियों को शामिल करना है। वन अधिकारियों के परामर्श से स्वदेशी औषधीय पौधों के वृक्षारोपण को प्राथमिकता देनी है तथा मध्यप्रदेश सरकार की अंकुर योजना के तहत प्राथमिक विद्यालय, तालाब या नहर जैसी जगहों पर वृक्षारोपण सुनिश्चित करना है।

ओवरबर्डन का नहीं हो रहा वैज्ञानिक प्रबंधन

माइनिंग लीज क्षेत्र के भीतर खनन के दौरान निकलने वाले ओवरबर्डन और अपशिष्ट सामग्री को वृक्षारोपण हेतु खनन क्षेत्र में ही वापस भरा जाना चाहिए तथा लीज क्षेत्र के बाहर किसी भी प्रकार का कचरा या अपशिष्ट एकत्र करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। खनन व क्रेशर गतिविधि से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए नियमित रूप से पानी का छिडक़ाव करना अनिवार्य है, विशेषकर गर्मी के मौसम में वृक्षारोपण और पेयजल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। पट्टा क्षेत्र के चारों ओर जल निकासी हेतु गार्लैण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक का निर्माण एवं उसकी नियमित सफाई अनिवार्य है ताकि वर्षा जल प्रदूषित होकर आसपास के खेतों में न फैले। आरोप है कि इन सभी नियमों और शर्तों को पूरी तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। न तो मौके पर तयशुदा संख्या में तीन वर्ष पुराने नीम, पीपल, बरगद या सीसम के पौधे रोपे गए हैं, और न ही धूल दमन के लिए पानी के नियमित छिडक़ाव की कोई पुख्ता व्यवस्था दिखाई देती है। खनन क्षेत्र से निकलने वाले मलबे और ओवरबर्डन को भी अव्यवस्थित तरीके से फैलाए जाने की बातें सामने आ रही हैं, जो सीधे तौर पर पर्यावरण प्रबंधन योजना का खुला उल्लंघन है। क्रेशर से उडऩे वाली डस्ट के कारण न केवल आसपास की वनस्पतियां प्रभावित हो रही हैं, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी इसका विपरीत प्रभाव पडऩे की आशंका गहरा गई है।

अविलंब हो उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले में क्षेत्रीय जनता एवं जागरूक नागरिकों द्वारा कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, खनिज साधन विभाग तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उच्च अधिकारियों से न्यायसंगत व सख्त हस्तक्षेप की अपेक्षा की गई है। ग्रामीणों की मांग है कि ग्राम पंचायत रक्सा स्थित सदगुरु क्रेशर और स्वीकृत खदान क्षेत्र का अविलंब उच्चस्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना (भौतिक निरीक्षण) कराया जाए। निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली समस्त अनियमितताओं, अवैध उत्खनन की गहराइयों और शर्तों के उल्लंघन का पंचनामा तैयार कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी कानून और पर्यावरण के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ करने का दुस्साहस न कर सके।

इनका कहना है...

नियमों का अगर उल्लंघन हो रहा है तो, हम दिखवाते हैं।
एन.एस. आर्मो खनिज निरीक्षक

अमरकंटक में पनिका समाज की अखिल भारतीय राष्ट्रीय बैठक संपन्न

अनुसूचित जनजाति दर्जा बहाली की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। मां नर्मदा की तपोभूमि एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में रविवार को पनिका समाज की अखिल भारतीय राष्ट्रीय बैठक का आयोजन संपन्न हुआ। कपिलधारा मार्ग स्थित धारकुंडी आश्रम के सभागार में समाजसेवी बिहारीदास मुरचुले के नेतृत्व में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा तथा महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए समाज के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध जनों ने सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य पनिका समाज को पुनः अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिलाने के लिए कानूनी, संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक स्तर पर साझा रणनीति तैयार करना तथा आगामी आंदोलन की रूपरेखा निर्धारित करना रहा। विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पनिका समाज लंबे समय से अपने संवैधानिक अधिकारों की बहाली के लिए संघर्षरत है और अब इस मांग को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित स्वरूप देने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि वर्ष 1971 से पूर्व अविभाजित मध्यप्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों में पनिका, पनका, पंख एवं पान जातियां अनुसूचित जनजाति की सूची में सम्मिलित थीं। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950 में 8 दिसंबर 1971 को किए गए संशोधन के उपरांत क्षेत्रीय प्रतिबंध लागू होने से एक ही समुदाय के लोग विभिन्न राज्यों में अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित हो गए, जिससे सामाजिक एवं संवैधानिक असमानता की स्थिति उत्पन्न हुई। समाज के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि एक ही जाति के लोगों को कहीं अनुसूचित जनजाति और कहीं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में रखा जाना संविधान के अनुच्छेद 14, 15(1) एवं 16 में निहित समानता के सिद्धांतों की भावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने वर्ष 1971 से पूर्व की स्थिति बहाल करते हुए पनिका, पनका, पंख एवं पान जातियों को देशभर में पुनः अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल किए जाने की मांग दोहराई। बैठक में यह जानकारी भी साझा की गई कि इस संबंध में पूर्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उमा भारती के कार्यकाल में वर्ष 2004 में केंद्र सरकार को अनुशंसा भेजी गई थी। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ सरकार ने भी वर्ष 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के माध्यम से प्रधानमंत्री को अनुशंसा पत्र प्रेषित किया था। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस विषय को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, शिवराज सिंह चौहान एवं रमन सिंह के समक्ष भी उठाया जा चुका है। बैठक में समाज के पदाधिकारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए आंदोलन को व्यापक स्वरूप प्रदान करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं समाजसेवी बिहारीदास मुरचुले ने कहा कि आगामी समय में चरणबद्ध आंदोलन, धरना-प्रदर्शन, जनजागरण अभियान तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्ञापन सौंपकर पनिका समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने की मांग को और अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के साथ हो रहे कथित भेदभाव को समाप्त कर न्याय प्राप्त करने हेतु लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीकों से संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बैठक में मुख्य अतिथि सत्य कबड्डी साहेब, प्रांतीय अध्यक्ष गणेशदास सोनवानी, कार्यक्रम संयोजक बिहारीदास मुरचुले, देवधर महंत, सुखमनदास, पूरनदास सोनवानी, प्रदीप महंत, कमलेश मानिकपुरी, विशालदास महंत, श्यामदास टांडिया, पी.डी. बैरागी, हेमलाल पनिका, विष्णु कुमार पनिका, भूरेदास खैरवार, सुखीदास, फूलदास सोनवानी, दिलीप बघेल, सुरेश बघेल, सुमितदास महंत तथा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एच.डी. महंत सहित विभिन्न राज्यों से आए बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, महिला प्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे।

अनबॉक्स थीम पर नन्हे विद्यार्थियों ने बिखेरा हुनर कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास का अनूठा संगम

अमरकंटक। कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक के जूनियर सेक्शन के सीसीए क्लब द्वारा शनिवार को कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए अनबॉक्स थीम पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास का ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। रंग-बिरंगी वेशभूषाओं और आकर्षक प्रस्तुतियों से सजे इस आयोजन में बच्चों ने निर्धारित थीम के अनुरूप विभिन्न अभिनव पात्रों का रूप धारण कर मंच पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। प्रत्येक प्रतिभागी ने लगभग 30 सेकंड के आत्म-परिचय अथवा अपने पात्र से जुड़े प्रेरक संदेश के माध्यम से न केवल अभिनय कौशल का परिचय दिया, बल्कि अपनी अभिव्यक्ति क्षमता और मंच संचालन दक्षता से भी सभी को प्रभावित किया। विद्यार्थियों द्वारा स्वयं तैयार किए गए रचनात्मक प्रॉप्स प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण बने। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसी प्रतियोगिताएँ बच्चों में रचनात्मक चिंतन, नवाचार, आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास को नई दिशा प्रदान करती हैं। अनबॉक्स जैसी प्रेरणादायी थीम विद्यार्थियों को परंपरागत सोच की सीमाओं से बाहर निकलकर नए विचारों और संभावनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सीसीए क्लब, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों का उल्लेखनीय सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरक, रचनात्मक और यादगार पहल साबित हुआ।

डॉक्टर विहीन बेलियाबड़ी स्वास्थ्य केंद्र, 10 से 15 हजार ग्रामीणों की सेहत से खिलवाड़

डॉक्टर को कोतमा किया अटैच, ड्रेसर भी सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज कोतमा। ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर नए अस्पताल भवनों का निर्माण करा रही है और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन कोतमा विधानसभा क्षेत्र के बेलियाबड़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आती है। यहां अस्पताल का भवन तो खड़ा है, लेकिन डॉक्टर नहीं हैं। स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक स्टाफ की कमी, वर्षों से डॉक्टर की अनुपलब्धता और बदहाल व्यवस्था के कारण हजारों ग्रामीणों को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बेलियाबड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केवल एक गांव की नहीं, बल्कि बेलियाबड़ी, लेदरा, पकरिहा, राजाकछार सहित आसपास के लगभग 8 से 10 गांवों की स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है। इन गांवों की करीब 10 से 15 हजार की आबादी प्राथमिक उपचार और सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पूरी तरह इसी अस्पताल पर निर्भर है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस अस्पताल से ग्रामीणों को समय पर इलाज मिलने की उम्मीद रहती है, वहीं अस्पताल आज खुद इलाज का मोहताज बन चुका है।

भवन है, लेकिन डॉक्टर नहीं

ग्रामीणों के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. गणेश प्रजापति की पदस्थापना तो की गई है, लेकिन उन्हें लंबे समय से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में अटैच कर दिया गया है। इसके चलते बेलियाबड़ी अस्पताल पूरी तरह डॉक्टर विहीन हो गया है। मरीज जब अस्पताल पहुंचते हैं तो उन्हें डॉक्टर नहीं मिलते और मजबूर होकर निजी अस्पतालों या कोतमा तथा जिला अस्पताल का रुख करना पड़ता है।

ड्रेसर का पद भी खाली, प्राथमिक उपचार तक प्रभावित

अस्पताल में पहले से पदस्थ ड्रेसर के सेवानिवृत्त होने के बाद उसका पद भी रिक्त पड़ा हुआ है। इससे प्राथमिक उपचार, ड्रेसिंग और अन्य जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। सीमित स्टाफ के भरोसे स्वास्थ्य केंद्र का संचालन किया जा रहा है, जिससे मरीजों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिल पा रही है।

झाडियों से घिरा अस्पताल, बढ़ रहा जहरीले जीवों का खतरा

स्वास्थ्य केंद्र का परिसर भी बदहाली की कहानी बयां करता है। अस्पताल भवन के चारों ओर बड़ी-बड़ी झाड़ियां और खरपतवार उग आए हैं। नियमित साफ-सफाई नहीं होने से परिसर में गंदगी का अंबार लगा है। बरसात के मौसम में इन झाड़ियों के कारण सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ गया है। मरीजों और उनके परिजनों को डर के साए में अस्पताल पहुंचना पड़ता है।

गंभीर मरीजों को तत्काल किया जाता है रेफर

बेलियाबड़ी और आसपास के गांव आदिवासी एवं दुर्गम क्षेत्र में आते हैं। यहां से कोतमा या जिला अस्पताल तक पहुंचने में काफी समय लगता है। यदि किसी मरीज की हालत गंभीर हो जाए तो प्राथमिक उपचार के अभाव में उसे तुरंत रेफर कर दिया जाता है। कई बार समय पर इलाज नहीं मिलने से मरीजों की जान पर भी संकट खड़ा हो जाता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की बात करती है, लेकिन बेलियाबड़ी जैसे स्वास्थ्य केंद्रों की हालत बताती है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं कितनी कमजोर हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर अस्पताल भवन बना देने मात्र से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर नहीं हो सकतीं। जब तक डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना संभव नहीं है।

10 से 15 हजार आबादी की एकमात्र उम्मीद

बेलियाबड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बेलियाबड़ी, लेदरा, पकरिहा, राजाकछार सहित आसपास के कई गांवों की करीब 10 से 15 हजार आबादी निर्भर है। यहां प्रतिदिन सामान्य बुखार, सर्दी-खांसी, प्रसूति संबंधी समस्याएं, बच्चों के टीकाकरण और अन्य बीमारियों के मरीज पहुंचते हैं। लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण अधिकांश मरीजों को बिना उपचार लौटना पड़ता है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि बेलियाबड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल नियमित डॉक्टर की पदस्थापना की जाए, रिक्त ड्रेसर और अन्य पदों पर नियुक्ति हो, अस्पताल परिसर की साफ-सफाई कराई जाए तथा आवश्यक दवाओं और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को उनके गांव के नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

इनका कहना है

डॉक्टरों की कमी के कारण बेलियाबड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में अटैच किया गया है। वहीं ड्रेसर के सेवानिवृत्त होने के कारण उसका पद भी वर्तमान में रिक्त है।

डॉ. केएल दीवान,
खंड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आज

उमरिया। राज्य शासन व्दारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन कर खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए है । जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण के रोकथाम, नियंत्रण हेतु 20 जुलाई को समय सीमा की बैठक के पश्चात दोपहर 12 बजे से कलेक्टर सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

कृष्णाधाम कालोनी से दो बाइकें हुई चोरी

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के में चोरों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस के सुरक्षा दावों को ठेंगा दिखाते हुए चोरों ने कृष्णाधाम कॉलोनी में एक ही रात में, दो अलग-अलग घरों के सामने खड़ी मोटरसाइकिलों को पार कर दिया। सुबह जब गृहस्वामियों को वाहन गायब मिले तब चोरी की इस वारदात का खुलासा हुआ। माधवनगर पुलिस ने दोनों पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कृष्णाधाम कॉलोनी के गेट नंबर 2 के पास रहने वाले सतेन्द्र कुमार परोहा 51 ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि रोज की तरह उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल घर के पास लॉक करके खड़ी की थी। तड़के करीब 4:30 बजे अज्ञात चोरों ने सूना मौका पाकर उनकी मोटरसाइकिल पार कर दी। इसी कॉलोनी में रहने वाले रमाकान्त तिवारी 43 के घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को भी चोरों ने अपना निशाना बनाया। सुबह करीब 7:00 बजे जब उन्होंने देखा तो वाहन मौके से नदारद था। अज्ञात चोरों ने लॉक तोड़कर मोटरसाइकिल को चोरी कर लिया।

शराब के पैसे न देने पर किया हमला, 4 घायल

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम बनहरा में शराब पीने के लिये पैसे नहीं देने पर मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार आशीष कुमार गुप्ता 42 वर्ष ने अपनी शिकायत में बताया कि गांव के ही डाईस फोर कोल, रमन कोल और सुरेश कोल ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। जब आशीष और उनके परिवार ने पैसे देने से साफ मना कर दिया तो आरोपियों ने एक राय होकर लाठी-डंडों से पूरे परिवार पर हमला बोल दिया। इस संघर्ष में आशीष कुमार गुप्ता, उनके भाई मनोज कुमार गुप्ता 51 साल, मनीष कुमार गुप्ता (43) और लखन लाल गुप्ता 73 वर्षीय घायल हो गए। बड़वारा पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ एक राय होकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

बोहता में युवक को घेरकर लाठी-डंडों से पीटा

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत बोहता बाईपास नहर के पास एक युवक को घेरकर पीटने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम बोहता निवासी अमजद अली 42 जब बाईपास के पास से गुजर रहे थे, तभी आरोपी राजा यादव और उसके एक साथी ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने अमजद को गालियां देते हुए बेदम मारपीट की। मारपीट में अमजद अली को गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने जाते-जाते पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अलग अलग हादसों में तीन व्यक्ति हुये घायल

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत रेलवे स्टेशन रोड स्थित लाल ग्राउंड के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने राहगीरों को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस के अनुसार वाहन क्रमांक MP 41 GA 4296 के चालक ने अपने वाहन को बेहद लापरवाही और तेज गति से चलाते हुए हरीश झारिया और राकेश कुंच्छधिया को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान हुआ नगर: श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ पहुंचे अपने धाम

नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

बुढ़ार।

नगर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की पावन रथयात्रा रविवार को पूर्ण श्रद्धा, अटूट भक्ति और उल्लासपूर्ण धार्मिक वातावरण में धूमधाम से निकाली गई। नायक निवास से शुरू हुई यह भव्य रथयात्रा गाजे-बाजे और पारंपरिक भजनों के साथ अपने गंतव्य धाम श्री राम जानकी मंदिर के लिए रवाना हुई।

धार्मिक रंग में रंगे इस पूरे आयोजन से नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

शांति व्यवस्था के लिए नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में सक्रिय रही पुलिस टीम।

विधि-विधान से हुआ पूजन-अर्चन

श्री राम जानकी मंदिर पहुँचने पर मंदिर के महंत श्री अर्जुन दास महाराज एवं उनके शिष्यों द्वारा पूरी श्रद्धा के साथ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ स्वामी का विशेष पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। इसके बाद महाआरती हुई और उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। मार्गः रथयात्रा फारेस्ट ऑफिस रोड से शुरू होकर लखेरन टोला, रेलवे स्टेशन चौक और जैन मंदिर रोड होते हुए श्री राम जानकी मंदिर पहुँची। श्रद्धालुओं का हुजूमः 'जय जगन्नाथ' के गगनभेदी जयघोष के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए। भगवान के दर्शन और रथ खींचने के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। स्वागत सत्कारः नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा रथयात्रा का भव्य स्वागत किया गया और पूजा-अर्चना की गई।

दूसरी औरत और लोन के पैसे लेकर पति हुआ चंपत, पीड़िता न्याय के लिए पहुंची थाने

बुढ़ार।

थाना अंतर्गत ग्राम चंगेरा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक अपनी पत्नी को बेसहारा छोड़ दूसरी महिला के साथ फरार हो गया। पीड़ित पत्नी ने रविवार को बुढ़ार थाने पहुंचकर पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई और पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

अवैध संबंधों के चक्कर में तोड़ा भरोसा

थाने पहुंची पीड़िता (परिवर्तित नामः सिकसेवन उर्फ रोशनी गोड़) ने पुलिस को बताया कि उसके पति भूपेंद्र सिंह गोड़ (उम्र 25 वर्ष), निवासी चंगेरा, का ग्राम भमला की रहने वाली किरन नामक महिला के साथ काफी समय से अवैध संबंध चल रहा था। इसी नाजायज रिश्ते के चलते आरोपी पति अपनी पत्नी को छोड़कर उक्त महिला के साथ कहीं भाग गया है।

लोन के 40 हजार रुपये भी समेट ले गया पति

पीड़िता ने अपनी शिकायत में एक और बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी भूपेंद्र ने हाल ही में एक प्राइवेट बैंक से उसकी पत्नी के नाम पर 40,000 का समूह लोन पास कराया था। लोन की राशि हाथ में आते ही आरोपी वह सारे पैसे लेकर रफूचक्कर हो गया, जिससे पीड़िता के सामने अब आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है।

विरोध करने पर करता था मारपीट

पीड़िता का आरोप है कि यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले भी कई बार जब वह घर पर नहीं रहती थी, तो उसका पति उक्त महिला को अपने घर ले आता था। जब भी पत्नी ने इस अनैतिक हरकत का विरोध किया, तो आरोपी भूपेंद्र उसके साथ गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़ा और बेरहमी से मारपीट करता था।

पति की प्रताड़ना और धोखे से तंग आकर आखिरकार पीड़िता ने पुलिस प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है और आरोपी पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चिपाडनाथ में हुआ मानस एवं भंडारे का आयोजन

ब्यौहारी।

क्षेत्र के प्रसिद्ध चिप नाथ मंदिर मऊ में मानस एवं भंडारे का आयोजन शनिवार को किया गया भंडारा सूखा निवासी राजेंद्र प्रसाद सेन, नरेंद्र सेन,बालेंद्र सेन, करुणेन्द्र सेन द्वारा कराया गया भंडारे में प्रमुख रूप से भंडारा 2:00 बजे से शुरू होकर शाम तक चलता रहा भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की बैठक आज

उमरिया। जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की वर्चुअल एवं फिजिकल बैठक का आयोजन कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में 20 जुलाई को समय सीमा बैठक के पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

उमरिया। वर्षाकाल के दौरान झरने या अन्य वॉटरबॉडी के नजदीक जाने एवं अन्य गतिविधियों के दौरान जनहानि की घटनाओं को रोकने के लिए उपखंड मजिस्ट्रेट उपखंड बांधवगढ़ अम्बिकेश प्रताप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 में प्रदत्त किये गये अधिकारों को प्रयोग में लाते हुये सम्पूर्ण अनुविभाग बांधवगढ़ क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

जारी आदेश अनुसार झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर प्रवेश करना एवं पिकनिक मनाना आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वीडियों /फोटोग्राफी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर स्नान करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना भावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वाहन पार्किंग एवं वाहन उपयोग आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर दुकान लगाना, रेहड़ी लगाना एवं खाद्य पदार्थों की बिक्री करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उपखंड बांधवगढ़ की सीमा अंतर्गत समस्त जलाशयों में संचालित अनुमति रहित, नाव, नौकाओं या अन्य जल क्रीड़ा संबंधी यंत्र पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

अनुभाग क्षेत्र बांधवगढ़ अंतर्गत आने वाले समस्त जलाशयों में अवैध रूप से बिना अनुमति के संचालित हो रहे नाव/नौकाओं तथा समस्त झरनों एवं वॉटरबॉडी के पास वर्षाकाल में जाना पूर्णतः प्रतिबंधात्मक होगा। जनहानि/धनहानि से बचाव एवं कानून और सुरक्षा व्यवस्था हेतु यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-223 के तहत कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश तत्काल से प्रभावशील हो गया है।

नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

कटनी। नवोदय विद्यालय समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) के अंतर्गत संचालित पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, बड़वारा (जिला कटनी) में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2027 हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार आवेदन भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट www. navodaya. gov.in अथवा https:// cbseitms. rcil. gov.in/ nvs/Index/ Registration के माध्यम से निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए पात्रता के तहत ऐसे विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं जो शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत हों। साथ ही अभ्यर्थी की आयु 01 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच होनी चाहिए।

जिले में मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक संपन्न सुरक्षित मातृत्व पर दिया गया जोर

उमरिया।

जिला चिकित्सालय के सभागार में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अप्रैल 2026 से जून 2026 के दौरान जिले में हुई मातृ मृत्यु के सभी प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रत्येक मामले में संबंधित क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर घटनाओं के कारणों एवं परिस्थितियों की जानकारी ली गई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

सीएमएचओ डॉ. चंदेल ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, नियमित प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की पहचान तथा आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पूर्व बर्थ वेटिंग रूम की सुविधा उपलब्ध कराने एवं उसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मानपुर, पाली एवं करकेली विकासखंडों के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्ययोजना पर चर्चा की।

खेत में हो रही बोवनी का उपसंचालक कृषि ने किया निरीक्षण

उमरिया।

जिले में चल रही खरीफ फसलों की बोवनी एवं धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। उपसंचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से संवाद किया तथा उनकी खेती से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कृषि उपसंचालक ने किसानों को खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन के लिए वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने फसलों की समय पर बोवनी, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण तथा खेतों के समुचित प्रबंधन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

चंदिया क्षेत्र के भ्रमण के दौरान श्री मरावी ने डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति के तहत सुपर सीडर मशीन के माध्यम से कोदो की बोवनी करने वाले किसान कमलेश यादव के खेत का निरीक्षण किया उन्होंने इस आधुनिक तकनीक की सराहना करते हुए किसानों को कम लागत, समय की बचत एवं बेहतर उत्पादन के लिए यंत्रीकृत खेती पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन दिए ,इसके साथ ही उन्होंने पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन के माध्यम से की जा रही धान की रोपाई का भी अवलोकन किया। राजेश मौर्य किसान को मशीन आधारित खेती के लाभ बताते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से श्रम की बचत होती है, लागत कम आती है तथा समय पर कृषि कार्य पूरा होने से उत्पादन में भी वृद्धि होती है। भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के मैदानी अमले ने भी किसानों को विभागीय योजनाओं, उन्नत कृषि तकनीकों एवं खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी।

दस्तावेज अपलोड व सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ, 20 जुलाई तक प्रोफाइल पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है।

अभ्यर्थियों को 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 19 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को पोर्टल पर प्रदर्शित सभी जिलों को प्राथमिकता क्रम देना अनिवार्य होगा। दस्तावेज अपलोड करने के अगले दिन अभ्यर्थी को स्वयं चयनित दस्तावेज सत्यापन केंद्र पर उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

1000 करोड़ के कथित कॉर्पोरेट फर्जीवाड़े में महेंद्र गोयनका गिरफ्तार

दिल्ली से गिरफ्तारी के बाद कोलकाता पुलिस कर रही पूछताछ, फर्जी हस्ताक्षरों से कंपनियों पर नियंत्रण स्थापित करने का आरोप

उद्योगपति एवं विधायक संजय पाठक के परिवार से जुड़ी कंपनियों में कथित रूप से लगभग 1000 करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट फर्जीवाड़े के मामले में कोतमा निवासी महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी के बाद जांच तेज हो गई है। कोलकाता पुलिस ने उन्हें दिल्ली से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से 10 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की गई है। इस दौरान पुलिस वित्तीय लेनदेन, दस्तावेजी हेराफेरी और कथित धोखाधड़ी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ करेगी। जांच एजेंसियों के अनुसार, महेंद्र गोयनका पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी हस्ताक्षरों, कूटरचित दस्तावेजों और कथित जालसाजी के माध्यम से पाठक परिवार की कई कंपनियों पर अवैध नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया। मामले में कोलकाता में भारतीय न्याय संहिता एवं संबंधित प्रावधानों के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के उपयोग से जुड़ी गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, गोयनका पूर्व में पाठक परिवार से जुड़ी कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में वरिष्ठ प्रबंधकीय पद पर कार्यरत रहे हैं। उन पर कंपनी के वित्तीय लेनदेन में कथित अनियमितताओं, संपत्तियों के दुरुपयोग तथा दस्तावेजों में हेराफेरी के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियां अब कंपनी से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य संबंधित दस्तावेजों की भी जांच कर रही हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े बहुचर्चित मामले में कोलकाता पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर निवासी कारोबारी महेंद्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब डेढ़ से दो वर्षों से फरार चल रहा था और उसकी तलाश कई राज्यों की जांच एजेंसियां कर रही थीं। बताया जा रहा है कि इस दौरान मध्यप्रदेश पुलिस भी उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। गिरफ्तारी के बाद अब उसे न्यायालय में पेश करने और आगे की पूछताछ के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार महेंद्र गोयनका पहले मध्यप्रदेश के विधायक संजय पाठक के परिवार से जुड़ी कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में वरिष्ठ प्रबंधकीय जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आरोप है कि कंपनी के संचालन के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की गईं और पहले से बेची जा चुकी संपत्तियों एवं माल के लेन-देन में भी कथित गड़बड़ियां की गईं, जिससे करोड़ों रुपये के वित्तीय नुकसान की आशंका जताई गई है।

फर्जी दस्तावेज और हस्ताक्षरों से कंपनियों पर नियंत्रण का आरोप

जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आया है कि महेंद्र गोयनका और उनके कुछ सहयोगियों ने फर्जी हस्ताक्षरों और कथित जाली दस्तावेजों के माध्यम से परिवार से जुड़ी कई कंपनियों के नियंत्रण पर कब्जा करने का प्रयास किया। इसी आधार पर कोलकाता में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, जालसाजी तथा अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी थी और अंततः दिल्ली से उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

कटनी में भी दर्ज हैं आपराधिक मामले

जांच एजेंसियों के मुताबिक महेंद्र गोयनका और उनके सहयोगियों के खिलाफ मध्यप्रदेश के कटनी जिले में भी धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र से जुड़े दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि इस मामले में कुछ सह-आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं पहले ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं, जिसके बाद जांच और तेज कर दी गई थी।

एनसीएलटी के आदेश में भी हुई थीं टिप्पणियां

सूत्रों के अनुसार, मुंबई स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 9 मई 2025 को जारी अपने एक आदेश में महेंद्र गोयनका और उनकी पत्नी मीनू गोयनका से जुड़े वित्तीय लेन-देन पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणियां दर्ज की थीं। इसके अलावा गोयनका से जुड़ी एक अन्य कंपनी निसर्ग इस्पात के वित्तीय लेन-देन और कथित अनियमितताओं की जांच भी विभिन्न स्तरों पर जारी है।

पूरे वित्तीय नेटवर्क की होगी पड़ताल

जांच एजेंसियों का मानना है कि महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी इस पूरे मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकती है। अब जांच का दायरा केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क, कंपनियों के आपसी लेन-देन, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, दस्तावेजों की सत्यता और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका की भी गहन जांच की जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान कई और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं, जिससे इस कथित वित्तीय घोटाले की पूरी परतें खुल सकती हैं।

जांच जारी, कई और खुलासों की संभावना

कोलकाता पुलिस सहित संबंधित जांच एजेंसियां अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड, कंपनियों के वित्तीय लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। जांच के आधार पर आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और गिरफ्तारियां या नए खुलासे होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। कोलकाता पुलिस की 10 दिन की रिमांड के दौरान मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों, कंपनियों और वित्तीय लेनदेन की कड़ियों की जांच की जाएगी। जांच एजेंसियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान कथित कॉर्पोरेट फर्जीवाड़े से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे सामने आ सकते हैं।

30 साल बाद अमरकंटक के साल वनों पर फिर मंडराया साल बोरर का खतरा, 22 हजार पेड़ संक्रमित

1995-96 जैसी स्थिति दोहराने से पहले हरकत में वन विभाग, देहरादून से पहुंचेगा वैज्ञानिकों का दल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के घने साल वनों पर लगभग 30 वर्षों बाद एक बार फिर साल बोरर (हार्टवुड बोरर) का संकट गहराने लगा है। वर्ष 2026-27 के सर्वेक्षण में अमरकंटक वन परिक्षेत्र के 18 वन कक्षों में फैले 8,584 हेक्टेयर क्षेत्र के लगभग 22 हजार साल वृक्षों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। वन विभाग के अनुसार इस क्षेत्र में करीब 40 लाख साल के वृक्ष मौजूद हैं, जिनमें प्रारंभिक स्तर पर संक्रमण पाया गया है। अब तक 15 हजार से अधिक साल बोरर कीटों को पकड़कर नष्ट किया जा चुका है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमरकंटक क्षेत्र में इससे पहले वर्ष 1995-96 में साल बोरर का भीषण प्रकोप सामने आया था। उस समय शुरुआती दौर में प्रभावी नियंत्रण नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में साल के पेड़ संक्रमित हो गए थे और संक्रमण रोकने के लिए हजारों प्रभावित वृक्षों को काटकर जंगल से हटाना पड़ा था। इसी अनुभव को देखते हुए इस बार विभाग शुरुआती स्तर पर ही व्यापक नियंत्रण अभियान चला रहा है ताकि स्थिति गंभीर न होने पाए।

पेड़ के भीतर सुरंग बनाकर करता है हमला

साल बोरर की इल्ली पेड़ की छाल को भेदकर सीधे तने के भीतर प्रवेश करती है। यह सैपवुड और हार्टवुड को नुकसान पहुंचाते हुए अंदर सुरंगें बनाती है, जिससे वृक्ष धीरे-धीरे कमजोर होकर सूखने लगता है। मानसून के दौरान वयस्क कीट बाहर निकलकर आसपास के स्वस्थ पेड़ों पर हमला करते हैं, इसलिए बरसात का मौसम संक्रमण फैलने की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना जाता है।

ट्रैप ट्री ऑपरेशन से की जा रही रोकथाम

संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में विशेष ट्रैप ट्री ऑपरेशन शुरू किया है। इसके तहत रस छोड़ रहे संक्रमित वृक्षों को छह से सात टुकड़ों में काटकर जंगल में ही रखा जाता है। इनसे निकलने वाली गंध से आकर्षित होकर साल बोरर कीट बड़ी संख्या में उन पर एकत्र हो जाते हैं। इसके बाद शाम से सुबह तक वनकर्मी और स्थानीय ग्रामीण संयुक्त रूप से इन कीटों को एकत्र कर संग्रहण केंद्र में जमा करते हैं। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बाद में उनका नष्टीकरण किया जाता है।

देहरादून से आएगा वैज्ञानिकों का दल

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान (आईएफआरआई), देहरादून का वैज्ञानिक दल जल्द ही अमरकंटक पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन करेगा। विशेषज्ञ कीट के व्यवहार, संक्रमण के कारणों और उसके प्रभावी नियंत्रण के उपायों का वैज्ञानिक विश्लेषण करेंगे। इस अध्ययन के आधार पर भविष्य में साल वनों को सुरक्षित रखने के लिए दीर्घकालिक प्रबंधन रणनीति तैयार की जाएगी। वन विभाग का कहना है कि फिलहाल संक्रमण सीमित क्षेत्र में है, लेकिन यदि समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो यह तेजी से फैलकर अमरकंटक के विशाल साल वनों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

नेपाल सहित छह राज्यों के 25 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवानों ने दिखाया दमखम

देश-विदेश के पहलवानों के दमदार दांव-पेंच के साथ दो दिवसीय दंगल का हुआ समापन

महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन से लूटी महफिल हजारों खेल प्रेमियों ने उठाया रोमांचक मुकाबलों का आनंद

हरिभूमि न्यूज भालुमाड़ा। जिले के कोयलांचल क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका पसान के जमुना कॉलरी स्थित मेन दुर्गा पंडाल में 17 एवं 18 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय भव्य दंगल (कुश्ती) प्रतियोगिता का शनिवार को उत्साह, रोमांच और खेल भावना के बीच भव्य समापन हुआ। दो दिनों तक चले इस विशाल आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल से पहुंचे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों ने अपने शानदार दांव-पेंच, ताकत, तकनीक और अद्भुत फुर्ती का प्रदर्शन कर हजारों दर्शकों का दिल जीत लिया। हर मुकाबले में दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और पूरा आयोजन पारंपरिक भारतीय खेल संस्कृति का जीवंत उदाहरण बन गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली तथा नेपाल से आए 7 महिला एवं 18 पुरुष सहित कुल 25 पहलवानों ने हिस्सा लिया। सभी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। कई मुकाबलों में अंतिम क्षण तक जीत-हार का फैसला नहीं हो पाया और जैसे ही निर्णायक दांव लगा, पूरा अखाड़ा तालियों और जयकारों से गूंज उठा। पहलवानों की तकनीक, शक्ति और अनुशासन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महिला पहलवानों ने बढ़ाया प्रतियोगिता का गौरव

दंगल का सबसे बड़ा आकर्षण महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन रहा। दूसरे दिन भी महिला खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की। उनके आत्मविश्वास, तकनीक और साहस ने यह संदेश दिया कि भारतीय कुश्ती में महिलाएं भी नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। महिला पहलवानों के हर मुकाबले पर दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं और उनका उत्साहवर्धन किया।

हजारों दर्शकों से गुलजार रहा अखाड़ा

दो दिनों तक दंगल देखने के लिए जमुना, कोतमा, पसान, बिजुरी, अनूपपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों खेल प्रेमी पहुंचे। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता का आनंद लिया। आयोजन स्थल पर सुबह से देर शाम तक मेले जैसा माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के सबसे सफल और भव्य खेल आयोजनों में से एक बताया।

अतिथियों का हुआ सम्मान

प्रतियोगिता के दौरान पहुंचे अतिथियों का नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी, फाइनेंस मैनेजर जे. दत्ता, नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील चौरसिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मदन त्रिपाठी, जिला कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पार्वती राठौर, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह, मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन, कमलेश चतुर्वेदी, ब्रजेश चतुर्वेदी, धीरेंद्र सिंह, लाल बहादुर जायसवाल, शिवभान सिंह, शिव रतन वर्मा, सुखविंदर सिंह, सचिन जायसवाल, विकास जायसवाल, रोशन वारसी, सरताज मियां, मीनू तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास

नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह ने कहा कि क्षेत्र में दंगल के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी कारण लगातार दूसरी बार इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय पारंपरिक खेलों को संरक्षित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रेरित करने का कार्य करते हैं। इससे युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी पहलवानों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में इससे भी बड़े स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करने की बात कही।

सफल आयोजन के लिए जताया आभार

कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन राजा सिंह एवं सचिन जायसवाल ने किया। अंत में भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू ने सभी अतिथियों, पहलवानों, आयोजन समिति, प्रशासन, सहयोगियों और हजारों की संख्या में पहुंचे खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। दो दिवसीय इस भव्य दंगल प्रतियोगिता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय पारंपरिक कुश्ती की लोकप्रियता आज भी बरकरार है। देश-विदेश के पहलवानों के दमदार मुकाबलों और महिला खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। खेल प्रेमी अब अगले वर्ष होने वाले दंगल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बरसाती मार से बदहाल अमरकंटक कबीर चबूतरा मार्ग जर्जर माधव सरोवर पुल बना हादसों का खतरा

दो राज्यों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पर हर सफर जोखिमभरा

गहरे गड्ढों और क्षतिग्रस्त पुल से बढ़ी लोगों की चिंता

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण अमरकंटक कबीर चबूतरा मार्ग इन दिनों बदहाली की मार झेल रहा है। लगातार हो रही बारिश ने सड़क की खराब स्थिति को और गंभीर बना दिया है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे, उखड़ी डामर सड़क और जलभराव के कारण यह मार्ग हादसों का पर्याय बनता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों का कहना है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बरसात के चलते गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सबसे अधिक खतरा दोपहिया वाहन चालकों को बना हुआ है, जबकि चारपहिया वाहन भी इस मार्ग पर बेहद धीमी गति से चलने को मजबूर हैं। प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही के बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति पर संबंधित विभाग की उदासीनता लोगों में नाराजगी पैदा कर रही है।

सिंगल लेन सड़क बनी मुसीबत

क्षेत्रवासियों के अनुसार अफरोज रोड से बांधा पुल तक सड़क काफी संकरी है। सिंगल लेन होने के कारण आमने-सामने से आने वाले ट्रक, बस और अन्य बड़े वाहनों की क्रॉसिंग के दौरान जाम की स्थिति बन जाती है। सड़क किनारे पर्याप्त पिचिंग और सुरक्षा इंतजाम भी नहीं हैं, जिससे बरसात के मौसम में दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ गई है।

जर्जर हालत बढ़ा रही चिंता

इसी मार्ग पर नर्मदा नदी के बांधा क्षेत्र स्थित माधव सरोवर पुल भी गंभीर रूप से जर्जर हो चुका है। पुल के दोनों ओर लगी लोहे की रेलिंग क्षतिग्रस्त होकर नदी की ओर झुक गई है। कई स्थानों पर रेलिंग अस्थिर दिखाई दे रही है, जबकि पुल की कंक्रीट सतह भी जगह-जगह से टूट चुकी है। लगातार बारिश के कारण पुल के नीचे मिट्टी का कटाव होने से नींव के आसपास खोखलापन बनने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में भारी वाहनों की आवाजाही पुल की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है।

हजारों की लाइफलाइन है यह मार्ग

अमरकंटक कबीर चबूतरा मार्ग केवल दो राज्यों को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग ही नहीं, बल्कि अमरकंटक आने वाले हजारों श्रद्धालुओं, पर्यटकों, ग्रामीणों और व्यावसायिक वाहनों की जीवनरेखा भी है। बावजूद इसके लंबे समय से सड़क और पुल की मरम्मत नहीं होने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग

स्थानीय नागरिकों ने लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि सड़क के गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, मार्ग का चौड़ीकरण एवं आवश्यक पिचिंग कराई जाए तथा माधव सरोवर पुल की विशेषज्ञों से तकनीकी जांच कराकर शीघ्र सुदृढ़ीकरण कराया जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जीएस परिहार ने शनिवार को जिला चिकित्सालय अनूपपुर का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, दवा वितरण व्यवस्था, साफ-सफाई, उपचार व्यवस्था तथा अस्पताल की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. परिहार ने अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल में चिन्हित कमियों को शीघ्र दूर करते हुए निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक सुधारात्मक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, आवश्यक जीवनरक्षक एवं सामान्य दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, मरीजों एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार अपनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की सतत निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। क्षेत्रीय संचालक ने एनीमिया की जांच, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता, गर्भवती महिलाओं की नियमित एवं विशेष स्वास्थ्य जांच तथा बच्चों के नियमित टीकाकरण सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी सहित जिला चिकित्सालय के अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।